केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ६ मार्च, २०११ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावना है ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी : सत्संग प्रवेश : प्रश्नपत्र - २

जनवरी, २०११ **समय : दौपहर २.०० से ४.१५** **कुल गुणांक : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत कीजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर .....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	
विभाग-२, कुल गुण		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેક૨ - નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. **बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

३. दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

४. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

५. मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

६. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

७. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी ।

८. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवेश

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''ये सद्‌गुरु कौन हैं ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''इसमें तो जानका खतरा है ।''

३. ''तुम भाईयों को अपनी अनुमति दे दो, मैं तुम्हारी सेवा करूँगा ।''

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. लाधीबाई ने सबको महाराज के बारे में दृढ़ निश्चय करवाया ।

.....

.....

.....

.....

२. चार भाईयों ने समुद्र को प्रसन्न करने का सोचा ।

३. झमकूबा ने राज्य का वैभव छोड़ ने का निर्णय कर लिया ।

प्र. ३ 'नेनपुर के देवजी भगत' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. आत्मानन्द स्वामी ने महाराज का दिया हुआ कौन-सा नियम लम्बे समय तक निभाए ?

.....

.....

२. बापू हमीर खाचर किस लिए स्वामी के चरणों में गिर पड़े ?

३. शिक्षापत्री के अनुसार जीवनव्यवहार करता है उसको महाराज ने क्या वरदान दिया है ?

४. दाजीभाई को सब लोग क्या कहकर बुलाते थे ?

५. सिपाहियों क्या समझ कर लौट गये ?

प्र. ५ ''करोड़ रुपये खर्च करने.....'' - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए । (५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । **(८)**

१. स्वामी गुणातीत .....

..... प्रगट करी ।

२. विधवाकुं स्पर्शत ..... नहि जात ।

३. अयं निजः ..... कुटुम्बकम् ॥

४. ''अनन्तकोटि ..... नमामि ॥'' - इस श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

विभाग - २ : शास्त्रीजी महाराज

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''जिस कार्य को पूरा करने के लिए श्रीजीमहाराज को इस धरती पर पुनः अवतार लेना पड़ता, वही कार्य आपने किया है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''वर्तमानकाल में महाराज और स्वामी की प्रसन्नता किसमें हैं ?''

३. ''आप भी बागी (यज्ञपुरुषदासजी) का क्यों साथ देते हैं ?''

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. स्वामीश्री अचानक ही साधी से पादरा जाने के लिए निकल गये ।

.....

.....

.....

.....

२. करमसद में छः साल के डुंगर को देखकर सब अजरज में पड़ गये ।

३. भगतजी महाराज ने यज्ञपुरुषदासजी पर प्रेम बरसाया ।

प्र. ९ 'प्रौढ़ प्रताप' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. हरिलाल सेठ ने प्रथम पूजा किस की करने का उचित समजा ?

.....

.....

२. सारंगपुर मन्दिर के काम में रुकावट करने के लिए विरोधीलोगों ने किस को भेजा ?

३. राजकोट में यज्ञपुरुषदासजी को कौन पढ़ाते थे ?

४. सारंगपुर मन्दिर की मूर्तिप्रतिष्ठा कब हुई ?

५. बोचासण गाँव के मुखिया हीराभाई कैसे थे ?

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **(६)**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. अजोड़ विद्वान यज्ञपुरुषदास ।

(१) ☐ महीधर शास्त्री ने शास्त्रार्थ के लिये ललकारा ।

(२) ☐ गुणीजनों के गुण ही पूजे जाते हैं ।

(३) ☐ भगतजी बोले 'अस्मिन् सम्प्रदाये एकमेव ।'

(४) ☐ महीधर शास्त्री ने यज्ञपुरुषदासजी को दंडवत् किया ।

२. सारंगपुर का दिव्य मन्दिर देखकर भजन बनाया ।

(१) ☐ मगनभाई (२) ☐ दास रसिक

(३) ☐ मोतीभाई (४) ☐ महापुरुषदास स्वामी

३. सुवर्णतुला महोत्सव ।

(१) ☐ अटलादरा में मनाया गया ।

(२) ☐ सुशोभित मोटरकार में स्वामीश्री विराजमान हुए ।

(३) ☐ शास्त्रीजी महाराजने शक्कर से तुलाविधि करने को कहा ।

(४) ☐ ८० वीं जन्मजयन्ती ।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **(६)**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : दिल की सफाई का साधन : कोठारी ने राजकोट कथा करने की आज्ञा की, इसमें तीन हेतु थे - पुरानो की पढ़ाई हो, गोंडल के पास होने से गोपालानंद स्वामी के कृपापात्र अदाश्री का सम्पर्क बना रहे ।

उत्तर : दिल की सफाई का साधन : **भगतजी** ने राजकोट **पढ़ने** की आज्ञा की, इसमें **दो** हेतु थे - **संस्कृत** की पढ़ाई हो, **जूनागढ़** के पास होने से **गुणातीतानंद स्वामी** के कृपापात्र **जागा भक्त** का सम्पर्क बना रहे ।

१. **दिव्य समाधि :** सारंगपुर मन्दिर का भव्य दरवाज़ा देखकर आचार्य राधारमणप्रसादजीको समाधि लग गई ।

उ. .....

.....

२. **नारायणस्वरूपदासजी संस्था के प्रमुख :** शास्त्रीजी महाराजने २५ वर्ष के नारायणस्वरूपदास को सारंगपुर में प्रमुखपद पर नियुक्त किया ।

३. **सन्त परम हितकारी :** वडोदरा के महाराजा रणजितसिंहराव गायकवाड अटलादरा में थे ।

४. **गुरुहरि का प्रथम जयन्ती महोत्सव :** स्वामीश्री की ७५वीं जन्म जयन्ती अटलादरा में मनाने का सर्वप्रथम विचार हरिभक्त श्री चम्पकभाई बैंकर ने किया ।

५. **गुणातीत - समाधिस्थान में मन्दिर :** बोरसद के हरिभाई अमीनने गोंडल अक्षरदेरी की भूमि ५० हज़ार रुपये में गोंडल के महाराजा से लेने के लिये तय किया ।

६. **विद्यारम्भ :** डुंगरभक्त ने ढोल बजाकर भागवत की कथा की ।

* * *